प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 21 नवम्बर, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन के मुख्य द्वार से ओटीसी ग्राउंड तक “सरदार @150 पदयात्रा” (यूनिटी मार्च- एक भारत, आत्मनिर्भर भारत) में सम्मिलित होकर प्रतिभागियों के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री ‘लौहपुरुष’ भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा-भावना का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने इस पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल जी ने भारत की 562 रियासतों का विलय कर जिस अखंड भारत की नींव रखी, वह उनकी अद्वितीय दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का उदाहरण है। उनका संदेश सदैव यही रहा है कि “एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।” उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा MY Bharat द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती

वर्षगांठ को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि देशभर में आयोजित पदयात्राएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध और क्विज़ प्रतियोगिताएँ, “एक था सरदार” पॉडकास्ट तथा राष्ट्रीय रील प्रतियोगिता, ये सभी गतिविधियाँ युवाओं में राष्ट्रभावना को प्रबल करेंगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि NSS, NCC, Scouts & Guides, MY Bharat Volunteers तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं की उत्साही भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारा युवा वर्ग राष्ट्र-निर्माण के प्रति पूर्णतः समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य हमारे युवाओं की एकजुटता, संकल्प और चरित्र पर आधारित है तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” जैसे उल्लेखनीय पहल किए गए हैं। इस क्रम में राज भवन, झारखण्ड द्वारा भी सभी राज्यों के ‘स्थापना दिवस समारोह’ का आयोजन किया जाता है और उस राज्य के नागरिकों को आमंत्रित किया जाता है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को हम केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, कर्तव्यों और जीवन-मूल्यों में आत्मसात करें। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे

सरदार पटेल के सपनों के सशक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

राज्यपाल महोदय ने यह उल्लेख भी किया कि इसी माह की 9 तारीख को उन्हें उस स्थान पर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहाँ लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की भव्य 'Statue of Unity' स्थापित है। उन्होंने कहा कि उस विशाल प्रतिमा का दर्शन कर वे अभिभूत हुए। वहाँ देश-विदेश से आए असंख्य लोग उपस्थित थे और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे केवल प्रतिमा का अवलोकन ही नहीं कर रहे थे, बल्कि सरदार पटेल जी को श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ स्मरण भी कर रहे थे।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस पदयात्रा से प्रेरित होकर हम सभी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के संकल्प को और अधिक दृढ़ करें।

उक्त अवसर पर माननीय राज्यपाल ने उपस्थित सभी लोगों को स्वदेशी अपनाने तथा नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई।

(2) माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज दीक्षांत मंडप, मोरहाबादी में आयोजित झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, राँची के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं होता, बल्कि वह उस संस्था की विचारधारा, उपलब्धियों और समाज द्वारा उसके प्रति व्यक्त विश्वास का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आज अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है।

राज्यपाल महोदय ने उल्लेख करते हुआ कहा कि इस विश्वविद्यालय की आधारशिला सादगी और कर्मशीलता के प्रतीक देश के पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर जी ने रखी थी। इस संस्थान के गठन का उद्देश्य केवल एक अकादमिक संस्था स्थापित करना ही नहीं था, बल्कि ऐसा शिक्षण केंद्र विकसित करना था जो युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा-दृष्टि, वैज्ञानिक सोच और प्रशासनिक दक्षता का समन्वित विकास कर सके। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं और किशोरों में सैन्य व पुलिस सेवा के प्रति विशेष उत्साह देखा जाता है। वे कठिन परिश्रम करते हैं, परंतु उचित मार्गदर्शन

के अभाव में कई बार सफलता से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में इस विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि युवा पारंपरिक प्रशिक्षण तक ही सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक तकनीक और उभरती चुनौतियों की समझ विकसित करें। साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध मनोविज्ञान, पुलिस प्रबंधन, खुफिया विश्लेषण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दक्षता आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की पहचान 'जामताड़ा के साइबर अपराध' के लिए न हो, बल्कि "सुरक्षा शिक्षा" के एक मजबूत केंद्र के रूप में हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित युवा राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे और अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यहाँ प्राप्त ज्ञान केवल उपाधि नहीं है, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और विकसित भारत @2047 के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रस्तुत 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' ने उच्च शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, बहुविषयी और भविष्य-उन्मुख दिशा दी है, जो

युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में सहायक है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। नवाचार, अनुसंधान और समाधान-उन्मुख शिक्षा आधुनिक समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय डिजिटल सुरक्षा, साइबर फॉरेंसिक, आंतरिक सुरक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक मॉडल संस्थान के रूप में स्थापित होगा।

माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहाँ भी जाएँ, यह प्रमाण प्रस्तुत करें कि उन्होंने यहाँ से केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार भी प्राप्त किए हैं। समाज और राष्ट्र की सेवा को अपना उद्देश्य बनाएँ और अपने कर्मों से झारखंड तथा देश का गौरव बढ़ाएँ। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता राष्ट्र और समाज के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हो।